27 JUL 2026

THE TIMES OF INDIA, RAIPUR

Power cos hold successful black start drill at Korba plant

TIMES NEWS NETWORK

Raipur: Chhattisgarh power companies successfully conducted a black start mock drill to test preparedness for a major grid blackout. During the exercise, start-up power from Bango Jal Vidyut Grih reached coal-based units at Korba within 32 minutes, while full grid synchronisation was achieved in about 41 minutes.

The selected power system covering Hasdeo, Hasdeo-Bango, Jamnipali and Korba East was isolated and restored in phases. Officials said Bango hydro plant, the state's only black start-capable facility, plays a crucial role in restarting generating units during major grid disturbances and ensuring quick power restoration.

दैनिक भास्कर

2 6 JUL 2026

ब्लैकआउट हुआ तो आधे घंटे में शुरू हो जाएगा कोरबा पावर प्लांट, बिजली कंपनी ने परखी तैयारी

भास्कर न्यूज | रायपुर

किसी बड़े तकनीकी कारण से पूरा अंतरराज्यीय बिजली ग्रिड ठप हो जाए, तब भी प्रदेश में बिजली व्यवस्था को तेजी से पटरी पर लाने की तैयारी कर ली गई है। बिजली कंपनी ने शनिवार को 'ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल' से परखा कि ऐसी आपात स्थिति में बिजली उत्पादन कितनी जल्दी शुरू हो सकता है। अभ्यास के दौरान बांगो जल विद्युत संयंत्र से मात्र 32 मिनट में कोरबा ताप विद्युत संयंत्र तक स्टार्ट-अप बिजली पहुंचा दी गई, जबकि पूरी ग्रिड को सामान्य होने में करीब 41 मिनट लगे। ट्रांसमिशन कंपनी के एमडी राजेश कुमार शुक्ला ने स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर से पूरी प्रक्रिया की निगरानी की।

भास्कर नॉलेज • क्या है ब्लैक स्टार्ट

ब्लैक स्टार्ट ऐसी तकनीक है, जिसमें किसी बाहरी बिजली आपूर्ति के बिना जल विद्युत संयंत्र को चालू कर उससे अन्य बड़े बिजलीघरों को शुरू करने लायक प्रारंभिक बिजली उपलब्ध कराई जाती है। छत्तीसगढ़ में बांगो जल विद्युत संयंत्र ही ऐसा एकमात्र ब्लैक-स्टार्ट सक्षम संयंत्र है, जो बड़े ग्रिड फेल होने पर पूरी बिजली व्यवस्था को दोबारा खड़ा करने में अहम भूमिका निभाता है। **फायदा:** ▪ यदि कभी बड़े स्तर पर बिजली ग्रिड फेल हो जाए तो बिजली बहाल में लगने वाला समय कम होगा। ▪ अस्पताल, रेलवे, पानी सप्लाई और उद्योग जैसी जरूरी सेवाएं जल्दी शुरू हो सकेंगी। ▪ कोरबा के ताप विद्युत संयंत्र कम समय में दोबारा बिजली उत्पादन शुरू कर सकेंगे।

नवभारत
2 6 JUL 2026

पूर्वाभ्यास

बड़े विद्युत संकट की घड़ी में संयंत्रों के शीघ्र पुनर्संचालन के लिए ब्लैक स्टार्ट मॉकड्रिल

ब्लैकआउट होने पर कोरबा संयंत्र तक 32 मिनट में पहुंचेगा स्टार्ट-अप पॉवर

पूरी ग्रिड सिंक्रोनाइजेशन प्रक्रिया लगभग 41 मिनट में पूर्ण की गई

नवभारत रिपोर्टर। रायपुर।

अंतरराज्यीय ग्रिड ठप होने जैसी आपात स्थिति में बिजली व्यवस्था को शीघ्र बहाल करने की तैयारियों का परीक्षण करने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज ने सफलतापूर्वक ब्लैक स्टार्ट मॉकड्रिल का आयोजन किया। इस दौरान बांगो जल विद्युत गृह के टरबाइन से तत्काल बिजली उत्पादन कर स्टार्ट-अप पॉवर को कोयला आधारित ताप विद्युत गृहों तक 32 मिनट में पहुंचाने में सफलता मिली। वहीं, पूरी ग्रिड सिंक्रोनाइजेशन प्रक्रिया लगभग 41 मिनट में पूर्ण की गई।

मॉकड्रिल के दौरान ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला डंगनिया मुख्यालय स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर में उपस्थित रहे और पूरी प्रक्रिया की लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। इस अभ्यास में ट्रांसमिशन, जनरेशन एवं डिस्ट्रिरब्यूशन कंपनियों के इंजीनियरों और तकनीकी कर्मियों ने समन्वित रूप से भाग लिया। मॉकड्रिल के तहत हसदेव, हसदेव-बांगो, जमनीपाली तथा कोरबा पूर्व के चयनित विद्युत तंत्र को पृथक कर एक आईलैंडेड सब-सिस्टम तैयार किया गया। इसके बाद इस सब-सिस्टम पर नियंत्रित रूप से उत्पादन एवं विद्युत भार कम करते हुए इसे पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में लाया गया। इसके पश्चात बांगो जल विद्युत गृह में उपलब्ध डीजल जनरेटर सेट की सहायता से इकाई क्रमांक-1 को प्रारंभ कर सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइज किया गया। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से हसदेव, जमनीपाली होते हुए कोरबा पूर्व तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति बहाल की गई। अगले चरण में 160 एमवीए ट्रांसफार्मर के माध्यम से 220 केवी प्रणाली को ऊर्जीकृत कर कोरबा पश्चिम तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति का विस्तार किया गया। निर्धारित क्रम के अनुसार जमनीपाली उपकेंद्र पर विद्युत भार जोड़ा गया तथा उसके अनुरूप बांगो इकाई क्रमांक-1 का उत्पादन बढ़ाया गया। अंतिम चरण में आईलैंडेड सब-सिस्टम का मुख्य ग्रिड के साथ सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइजेशन किया गया और सभी विद्युत उपकरणों पर सामान्य विद्युत व्यवस्था पुनः स्थापित कर दी गई। सिंक्रोनाइजेशन की पूरी प्रक्रिया में लगभग 41 मिनट लगे, जबकि बांगो से कोरबा पॉवर प्लांट तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति लगभग 32 मिनट में सफलतापूर्वक पहुंचा दी गई। मॉकड्रिल के मौके पर जनरेशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक सी. एल. नेताम, स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर की मुख्य अभियंता शारदा सोनवानी, अधीक्षण अभियंता संजय चौधरी तथा अभिषेक जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।



बांगो संयंत्र एकमात्र ब्लैक स्टार्ट सक्षम संयंत्र

बांगो जल विद्युत संयंत्र प्रदेश का एकमात्र ब्लैक स्टार्ट सक्षम जल विद्युत संयंत्र है। इसकी स्थापित क्षमता 3.40 मेगावॉट है। बड़े ग्रिड व्यवधान अथवा पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में यही संयंत्र अन्य उत्पादन इकाइयों के पुनर्संचालन के लिए आवश्यक स्टार्ट-अप पॉवर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

गई। पुलि
जाएगी। पु
सुरक्षा नि
प्रधान

विशेष
शिक्षा व्य
लिए नए
हुए अपने
और सिद्ध
जीवन में

26 JUL 2026

नईदुनिया

26 JUL 2026

माक ड्रिल

ग्रिड ब्लैकआउट से निपटने बिजली कंपनी ने तैयारी परखी

अब ब्लैकआउट में भी नहीं थमेगी बिजली आपूर्ति

- 32 मिनट में कोरबा संयंत्र तक पहुंची स्टार्ट-अप बिजली
- ब्लैक स्टार्ट माक ड्रिल सफल, 41 मिनट में पूरी हुई प्रक्रिया



डंगनिया स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर से माक ड्रिल की निगरानी करते ट्रांसमिशन कंपनी के एमडी राजेश कुमार शुक्ला समेत अन्य अधिकारी। ● ट्रांसमिशन कंपनी

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, रायपुर : अंतर्राज्यीय ग्रिड ब्लैकआउट जैसी आपात स्थिति में बिजली आपूर्ति को तेजी से बहाल करने की तैयारियों का परीक्षण करते हुए बिजली कंपनी ने शनिवार को सफल ब्लैक स्टार्ट माक ड्रिल की। अभ्यास के दौरान बांगो जल विद्युत गृह से बिजली उत्पादन शुरू कर मात्र 32 मिनट में कोरबा स्थित ताप विद्युत संयंत्र तक स्टार्ट-अप पावर पहुंचा दी गई, जबकि पूरी ग्रिड सिंक्रोनाइजेशन प्रक्रिया 41 मिनट में सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई। अधिकारियों के अनुसार, यह सफल अभ्यास भविष्य में किसी भी बड़े विद्युत संकट की स्थिति में प्रदेश की बिजली व्यवस्था को शीघ्र सामान्य करने में महत्वपूर्ण साबित होगा। माक ड्रिल के तहत हसदेव, हसदेव-बांगो, जमनीपाली और कोरबा पूर्व के विद्युत तंत्र को अलग कर एक आइलैंडेड सब-सिस्टम तैयार किया गया। इसके बाद नियंत्रित तरीके से इसे पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में लाया गया। बांगो जल विद्युत गृह के डीजल जनरेटर की मदद से इकाई क्रमांक 1 को शुरू कर चरणबद्ध ढंग से हसदेव, जमनीपाली, कोरबा पूर्व और बाद में कोरबा पश्चिम तक स्टार्ट-अप बिजली पहुंचाई गई। बांगो जल विद्युत संयंत्र प्रदेश का एकमात्र ब्लैक स्टार्ट सक्षम जल विद्युत संयंत्र है, जिसकी स्थापित क्षमता 3×40 मेगावाट है। बड़े ग्रिड व्यवधान या पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में यही संयंत्र अन्य बिजलीघरों को दोबारा शुरू करने के लिए आवश्यक स्टार्ट-अप पावर उपलब्ध कराता है। माक ड्रिल के दौरान ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने डंगनिया स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर से पूरी प्रक्रिया की निगरानी की। ट्रांसमिशन, जनरेशन और डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के अभियंताओं ने समन्वित रूप से इस अभ्यास में हिस्सा लिया।

स्वदेश
2 6 JUL 2026

ग्रिड ब्लैकआउट की स्थिति में कोरबा बिजली संयंत्र तक 32 मिनट में पहुंचेगा स्टार्ट-अप पावर

■ बड़े विद्युत संकट की घड़ी में संयंत्रों के शीघ्र पुनर्संचालन के लिए ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल सफल



स्वदेश समाचार ■ रायपुर

अंतरराज्यीय ग्रिड ठप होने जैसी आपात स्थिति में बिजली व्यवस्था को शीघ्र बहाल करने की तैयारियों का परीक्षण करने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज ने सफलतापूर्वक ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस दौरान बांगो जल विद्युत गृह के टरबाइन से तत्काल बिजली उत्पादन कर स्टार्ट-अप पावर को कोयला आधारित ताप विद्युत गृहों तक 32 मिनट में पहुंचाने में सफलता मिली। वहीं, पूरी ग्रिड सिंक्रोनाइजेशन प्रक्रिया लगभग 41 मिनट में पूर्ण की गई। मॉक ड्रिल के दौरान ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला डंगनिया मुख्यालय स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर में उपस्थित रहे और पूरी प्रक्रिया की लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। इस अभ्यास में ट्रांसमिशन, जनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के इंजीनियरों और तकनीकी कर्मियों ने समन्वित रूप से भाग लिया। ड्रिल के तहत हसदेव, हसदेव-बांगो, जमनीपाली तथा कोरबा पूर्व के चयनित विद्युत तंत्र को पृथक कर एक आइलैंडेड सब-सिस्टम तैयार किया गया। इसके बाद इस सब-सिस्टम पर नियंत्रित रूप से उत्पादन एवं विद्युत भार कम करते हुए इसे पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में लाया गया। इसके बाद बांगो जल विद्युत गृह में उपलब्ध डीजल जनरेटर सेट की सहायता से इकाई क्रमांक-1 को प्रारंभ कर सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइज किया गया। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से हसदेव, जमनीपाली होते हुए कोरबा पूर्व तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति बहाल की गई। मॉक ड्रिल के अगले चरण में 160 एमवीए ट्रांसफार्मर के माध्यम से 220 केवी प्रणाली को ऊर्जीकृत कर कोरबा पश्चिम तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति का विस्तार किया गया।

अमृत संदेश
26 JUL 2026

ग्रिड ब्लैकआउट की स्थिति में कोरबा बिजली संयंत्र तक 32 मिनट में पहुंचेगा स्टार्ट-अप पावर

अमृत संदेश । रायपुर



अंतरराज्यीय ग्रिड ठप होने जैसी आपात स्थिति में बिजली व्यवस्था को शीघ्र बहाल करने की तैयारियों का परीक्षण करने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज ने सफलतापूर्वक ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस दौरान कोरबा जल विद्युत गृह के टरबाइन से तत्काल बिजली उत्पादन का स्टार्ट-अप पावर को कोयला आधारित ताप विद्युत गृहों तक 32 मिनट में पहुंचाने में सफलता मिली। वहीं, पूरी ग्रिड सिंक्रोनाइजेशन प्रक्रिया लगभग 41 मिनट में पूर्ण की गई। मॉक ड्रिल के दौरान ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला डंगनिया मुख्यालय स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर में उपस्थित रहे और पूरी प्रक्रिया की लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। इस अभ्यास में ट्रांसमिशन, जनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के इंजीनियरों और तकनीकी कर्मियों ने समन्वित रूप से भाग लिया।

25 JUL 2026

नव प्रदेश

25 JUL 2026

ग्रिड ब्लैकआउट की स्थिति में कोरबा बिजली संयंत्र तक 32 मिनट में पहुंचेगा स्टार्ट-अप पावर

■ बड़े विद्युत संकट की घड़ी में संयंत्रों के शीघ्र पुनर्संचालन के लिए ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल सफल



रायपुर/नवप्रदेश। अंतर्राज्यीय ग्रिड ठप होने जैसी आपात स्थिति में बिजली व्यवस्था को शीघ्र बहाल करने की तैयारियों का परीक्षण करने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ ने सफलतापूर्वक ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस दौरान बांगो जल विद्युत गृह के टरबाइन से तत्काल बिजली उत्पादन कर स्टार्ट-अप पावर को कोयला आधारित ताप विद्युत गृहों तक 32 मिनट में पहुंचाने में सफलता मिली। वहीं, पूरी ग्रिड सिंक्रोनाइजेशन प्रक्रिया लगभग 41 मिनट में पूर्ण की गई।

मॉक ड्रिल के दौरान ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला डंगनिया मुख्यालय स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर में उपस्थित रहे और पूरी प्रक्रिया की लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। इस अभ्यास में ट्रांसमिशन, जनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के इंजीनियरों और तकनीकी कर्मियों ने समन्वित रूप से भाग लिया।

ड्रिल के तहत हसदेव, हसदेव-बांगो, जमनीपाली तथा कोरबा पूर्व के चयनित विद्युत तंत्र को पृथक कर एक आइलैंडेड सब-सिस्टम तैयार किया गया। इसके बाद इस सब-सिस्टम पर नियंत्रित रूप से उत्पादन एवं विद्युत भार कम करते हुए इसे पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में लाया गया।

इसके पश्चात बांगो जल विद्युत गृह में उपलब्ध डीजल जनरेटर सेट की सहायता से इकाई क्रमांक-1 को प्रारंभ कर सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइज किया गया। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से हसदेव, जमनीपाली होते हुए कोरबा पूर्व तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति बहाल की गई।

मॉक ड्रिल के अगले चरण में 160 एमवीए ट्रांसफार्मर के माध्यम से 220 केवी प्रणाली को ऊर्जीकृत कर कोरबा पश्चिम तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति का विस्तार किया गया।

भास्कर दूत 27 JUL 2026

ग्रिड ब्लैकआउट की स्थिति में कोरबा बिजली संयंत्र तक 32 मिनट में पहुंचेगा स्टार्ट-अप पावर

बड़े विद्युत संकट की घड़ी में संयंत्रों के शीघ्र पुनसंर्चालन के लिए ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल सफल



रायपुर। अंतर्राज्यीय ग्रिड ठप होने जैसी आपात स्थिति में बिजली व्यवस्था को शीघ्र बहाल करने की तैयारियों का परीक्षण करने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज ने सफलतापूर्वक ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस दौरान बांगो जल विद्युत गृह के टरबाइन से तत्काल बिजली उत्पादन कर स्टार्ट-अप पावर को कोयला आधारित ताप विद्युत गृहों तक 32 मिनट में पहुंचाने में सफलता मिली। वहीं, पूरी ग्रिड सिंक्रोनाइजेशन प्रक्रिया लगभग 41 मिनट में पूर्ण की गई। मॉक ड्रिल के दौरान ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला डंगनिया मुख्यालय स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर में उपस्थित रहे और पूरी प्रक्रिया की लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। इस अभ्यास में ट्रांसमिशन, जनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के इंजीनियरों और तकनीकी कर्मियों ने समन्वित रूप से भाग लिया। ड्रिल के तहत हसदेव, हसदेव-बांगो, जमनीपाली तथा कोरबा पूर्व के चयनित विद्युत तंत्र को पृथक कर एक आइलैंडेड सब-सिस्टम तैयार किया गया। इसके बाद इस सब-सिस्टम पर नियंत्रित रूप से उत्पादन एवं विद्युत भार कम करते हुए इसे पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में लाया गया। इसके पश्चात बांगो जल विद्युत गृह में उपलब्ध डीजल जनरेटर सेट की सहायता से इकाई क्रमांक-1 को प्रारंभ कर सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइज किया गया। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से हसदेव, जमनीपाली होते हुए कोरबा पूर्व तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति बहाल की गई। मॉक ड्रिल के अगले चरण में 160 एमवीए ट्रांसफार्मर के माध्यम से 220 केवी प्रणाली को ऊर्जीकृत कर कोरबा पश्चिम तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति का विस्तार किया गया। निर्धारित क्रम के अनुसार जमनीपाली उपकेंद्र पर विद्युत भार जोड़ा गया तथा उसके अनुरूप बांगो इकाई क्रमांक-1 का उत्पादन बढ़ाया गया। अंतिम चरण में आइलैंडेड सब-सिस्टम का मुख्य ग्रिड के साथ सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइजेशन किया गया और सभी विद्युत उपकरणों पर सामान्य विद्युत व्यवस्था पुन: स्थापित कर दी गई। सिंक्रोनाइजेशन की पूरी प्रक्रिया में लगभग 41 मिनट लगे, जबकि बांगो से कोरबा पावर प्लांट तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति लगभग 32 मिनट में सफलतापूर्वक पहुंचा दी गई। बांगो जल विद्युत संयंत्र प्रदेश का एकमात्र ब्लैक स्टार्ट सक्षम जल विद्युत संयंत्र है। इसकी स्थापित क्षमता 3.4 मेगावाट है। बड़े ग्रिड व्यवधान अथवा पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में यह संयंत्र अन्य उत्पादन इकाइयों के पुनसंर्चालन के लिए आवश्यक स्टार्ट-अप पावर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

TheHitavada 27 JUL 2026

CG State Power Cos carries out 'Black Start' mock drill to check preparedness

Staff Reporter

RAIPUR, July 25

CHHATTISGARH State Power Companies (CSPC) carried out a 'Black Start' mock drill to assess their preparedness for restoring electricity supply following a major grid failure, demonstrating the ability to deliver start-up power from the Bango Hydroelectric Power Station to the Korba thermal power plant within 32 minutes.

The exercise simulated an emergency scenario involving a large-scale interstate grid collapse.

During the drill, the complete synchronisation of the isolated power system with the main grid was achieved in approximately 41 minutes.

Managing Director of the Chhattisgarh State Power Transmission Company Rajesh Kumar Shukla monitored the entire exercise from the State Load Dispatch Centre at Danganiya.

Engineers and technical personnel from the generation, transmission and distribution companies coordinated the operation.

To simulate a total blackout, officials created an islanded subsystem by isolating portions of the network covering Hasdeo, Hasdeo-Bango, Jamnipali and Korba East.

Power generation and electrical load within the subsystem were then gradually reduced in a controlled manner.

Following the simulated blackout, Unit No 1 of the Bango Hydroelectric Power Station was restarted using its diesel generator and successfully synchronised. Start-up power was then restored in phases, supplying electricity from Hasdeo and Jamnipali to Korba East.

In the next stage of the exercise, the start-up power supply was extended to Korba West by energising the 220 kV network through a 160 MVA transformer. Electrical load was gradually increased at the Jamnipali substation, while the output of Bango Unit No 1 was raised accordingly.



Officials observe the Black Start mock drill.

The final phase involved synchronising the islanded subsystem with the main grid, restoring normal power supply to all connected equipment.

Officials said the start-up power reached the Korba thermal power plant in about 32 minutes, while complete grid synchronisation was accomplished in around 41 minutes.

The Bango Hydroelectric Power Station, with a [illegible] capacity of three units [illegible] each, is the only power [illegible] in Chhattisgarh equipped [illegible] black start capability [illegible] complete grid failure. It [illegible] vital role by providing [illegible] electricity required to [illegible] thermal generating [illegible] and restore the power system.

Senior officials presenting the exercise included Executive Director of the Generation Company C. L. [illegible], Chief Engineer of the State Load Dispatch Centre [illegible] Sonwani, and Superintending Engineers Sanjiv Chaudhary and Abhishek Jain.

दैनिक विजय मत
27 JUL 2026

ग्रिड ब्लैकआउट की स्थिति में कोरबा बिजली संयंत्र तक 32 मिनट में पहुंचेगा स्टार्ट-अप

बड़े विद्युत संकट की घड़ी में संयंत्रों के शीघ्र पुनर्संचालन के लिए ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल सफल

विजय मत, रायपुर

अंतर्राज्यीय ग्रिड ठप होने जैसी आपात स्थिति में बिजली व्यवस्था को शीघ्र बहाल करने की तैयारियों का परीक्षण करने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज ने सफलतापूर्वक ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस दौरान बांगो जल विद्युत गृह के टरबाइन से तत्काल बिजली उत्पादन कर स्टार्ट-अप पावर को कोयला आधारित ताप विद्युत गृहों तक 32 मिनट में पहुचाने में सफलता मिली। वहीं, पूरी ग्रिड सिंक्रोनाइजेशन प्रक्रिया लगभग 41 मिनट में पूर्ण की गई।



मॉक ड्रिल के दौरान ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला डगनिया मुख्यालय स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर में उपस्थित रहे और पूरी प्रक्रिया की लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। इस अभ्यास में ट्रांसमिशन, जनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के इंजीनियरों और तकनीकी कर्मियों ने समन्वित रूप से भाग लिया। ड्रिल के तहत हसदेव, हसदेव-बांगो, जमनीपाली तथा कोरबा पूर्व के चयनित विद्युत तंत्र को पृथक कर एक आइलैंडेड सब-सिस्टम तैयार किया गया। इसके बाद इस सब-सिस्टम पर नियंत्रित रूप से उत्पादन एवं विद्युत भार कम करते हुए इसे पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में लाया गया। इसके पश्चात बांगो जल विद्युत गृह में उपलब्ध डीजल जनरेटर सेट की सहायता से इकाई क्रमांक-1 को प्रारंभ कर सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइज किया गया। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से हसदेव, जमनीपाली होते हुए कोरबा पूर्व तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति बहाल की गई। मॉक ड्रिल के अगले चरण में 160 एमवीए ट्रांसफार्मर के माध्यम से 220 केवी प्रणाली को ऊर्जीकृत कर कोरबा पश्चिम तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति का विस्तार किया गया। निर्धारित क्रम के अनुसार जमनीपाली उपकेंद्र पर विद्युत भार जोड़ा गया तथा उसके अनुरूप बांगो इकाई क्रमांक-1 का उत्पादन बढ़ाया गया। अंतिम चरण में आइलैंडेड सब-सिस्टम का मुख्य ग्रिड के साथ सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइजेशन किया गया और सभी विद्युत उपकरणों पर सामान्य विद्युत व्यवस्था पुनः स्थापित कर दी गई। सिंक्रोनाइजेशन की पूरी प्रक्रिया में लगभग 41 मिनट लगे, जबकि बांगो से कोरबा पावर प्लांट तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति लगभग 32 मिनट में सफलतापूर्वक पहुंचा दी गई।

बांगो जल विद्युत संयंत्र प्रदेश का एकमात्र ब्लैक स्टार्ट सक्षम जल विद्युत संयंत्र है। इसकी स्थापित क्षमता 3×40 मेगावाट है। बड़े ग्रिड व्यवधान अथवा पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में यही संयंत्र अन्य उत्पादन इकाइयों के पुनर्संचालन के लिए आवश्यक स्टार्ट-अप पावर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

छत्तीसगढ़ 27 JUL 2026

ग्रिड ब्लैकआउट हुआ, तो कोरबा बिजली संयंत्र तक 32 मिनट में पहुंचेगा स्टार्ट-अप पावर



'छत्तीसगढ़' संवाददाता

रायपुर, 26 जुलाई। 2008 की तरह अंतर्राज्यीय ग्रिड ठप होने जैसी आपात स्थिति में बिजली व्यवस्था को शीघ्र बहाल करने की तैयारियों का परीक्षण करने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ ने ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस दौरान बांगो जल विद्युत गृह के टरबाइन से तत्काल बिजली उत्पादन कर स्टार्ट-अप पावर को कोयला आधारित ताप विद्युत गृहों तक 32 मिनट में पहुंचाने में सफलता मिली। वहीं, पूरी ग्रिड सिंक्रोनाइजेशन प्रक्रिया लगभग 41 मिनट में पूर्ण की गई।

मॉक ड्रिल के दौरान ट्रांसमिशन कंपनी के एमडी राजेश कुमार शुक्ला डंगनिया मुख्यालय स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर में पूरी प्रक्रिया की लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। इस अभ्यास में ट्रांसमिशन, जनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के इंजीनियरों और तकनीकी कर्मियों ने समन्वित रूप से भाग लिया।

ड्रिल के तहत हसदेव, हसदेव-बांगो, जमनीपाली तथा कोरबा पूर्व के चयनित विद्युत तंत्र को पृथक कर एक आइलैंडेड सब-सिस्टम तैयार किया गया। इसके बाद इस सब-सिस्टम पर नियंत्रित रूप से उत्पादन एवं विद्युत भार कम करते हुए इसे पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में लाया गया।

इसके पश्चात बांगो जल विद्युत गृह में उपलब्ध डीजल जनरेटर सेट की सहायता से इकाई क्रमांक-1 को प्रारंभ कर सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइज किया गया। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से हसदेव, जमनीपाली होते हुए कोरबा पूर्व तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति बहाल की गई।

मॉक ड्रिल के अगले चरण में 160 एमवीए ट्रांसफार्मर के माध्यम से 220 केवी प्रणाली को ऊर्जीकृत कर कोरबा पश्चिम तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति का विस्तार किया गया। निर्धारित क्रम के अनुसार जमनीपाली उपकेंद्र पर विद्युत भार जोड़ा गया तथा उसके अनुरूप बांगो इकाई क्रमांक-1 का उत्पादन बढ़ाया गया। अंतिम चरण में आइलैंडेड सब-सिस्टम का मुख्य ग्रिड के साथ सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइजेशन किया गया और सभी विद्युत उपकरणों पर सामान्य विद्युत व्यवस्था पुनः स्थापित कर दी गई। सिंक्रोनाइजेशन की पूरी प्रक्रिया में लगभग 41 मिनट लगे, जबकि बांगो से कोरबा पावर प्लांट तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति लगभग 32 मिनट में सफलतापूर्वक पहुंचा दी गई।

बांगो जल विद्युत संयंत्र प्रदेश का एकमात्र ब्लैक स्टार्ट सक्षम जल विद्युत संयंत्र है। इसकी स्थापित क्षमता 3म40 मेगावाट है। बड़े ग्रिड व्यवधान अथवा पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में यही संयंत्र अन्य उत्पादन इकाइयों के पुनर्संचालन के लिए आवश्यक स्टार्ट-अप पावर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर जनरेशन कंपनी के ईडी सी. एल. नेताम, स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर की मुख्य अभियंता श्रीमती शारदा सोनवानी, अधीक्षण अभियंता संजय चौधरी तथा अभिषेक जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

आज की जनधारा

2 6 JUL 2026

'ब्लैकआउट' में 32 मिनट में कोरबा को स्टार्ट-अप पावर

रायपुर। अंतर्राज्यीय ग्रिड ठप होने जैसी आपात स्थिति में बिजली व्यवस्था को शीघ्र बहाल करने की तैयारियों का परीक्षण करने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ ने सफलतापूर्वक ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस दौरान बांगो जल विद्युत गृह के टरबाइन से तत्काल बिजली उत्पादन कर स्टार्ट-अप पावर को कोयला आधारित ताप विद्युत गृहों तक 32 मिनट में पहुंचाने में सफलता मिली। वहीं, पूरी ग्रिड सिंक्रोनाइजेशन प्रक्रिया लगभग 41 मिनट में पूर्ण की गई।

मॉक ड्रिल के दौरान ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला डंगनिया मुख्यालय स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर में उपस्थित रहे और पूरी प्रक्रिया की लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। इस अभ्यास में ट्रांसमिशन, जनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के इंजीनियरों और तकनीकी कर्मियों ने समन्वित



रूप से भाग लिया। ड्रिल के तहत हसदेव, हसदेव-बांगो, जमनीपाली तथा कोरबा पूर्व के चयनित विद्युत तंत्र को पृथक कर एक आइलैंडेड सब-सिस्टम तैयार किया गया। इसके बाद इस सब-सिस्टम पर नियंत्रित रूप से उत्पादन एवं विद्युत भार कम करते हुए इसे पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में लाया गया। इसके पश्चात बांगो जल विद्युत गृह में उपलब्ध डीजल जनरेटर सेट की सहायता से इकाई क्रमांक-1 को प्रारंभ कर सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइज किया गया। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से हसदेव, जमनीपाली होते हुए कोरबा पूर्व तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति बहाल की गई।

चैनल इंडिया 27 JUL 2026

ग्रिड ब्लैकआउट की स्थिति में कोरबा बिजली संयंत्र तक 32 मिनट में पहुंचेगा स्टार्ट-अप पावर

बड़े विद्युत संकट की घड़ी में संयंत्रों के शीघ्र पुनर्संचालन के लिए ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल सफल



रायपुर (चैनल इंडिया)

अंतर्राज्यीय ग्रिड ठप होने जैसी आपात स्थिति में बिजली व्यवस्था को शीघ्र बहाल करने की तैयारियों का परीक्षण करने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ ने सफलतापूर्वक ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस दौरान बांगो जल विद्युत गृह के टरबाइन से तत्काल बिजली उत्पादन कर स्टार्ट-अप पावर को कोयला आधारित ताप विद्युत गृहों तक 32 मिनट में पहुंचाने में सफलता मिली। वहीं, पूरी ग्रिड सिंक्रोनाइजेशन प्रक्रिया लगभग 41 मिनट में पूर्ण की गई।

मॉक ड्रिल के दौरान ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला डंगनिया मुख्यालय स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर में उपस्थित रहे और पूरी प्रक्रिया की लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। इस अभ्यास में ट्रांसमिशन, जनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के इंजीनियरों और तकनीकी कर्मियों ने समन्वित रूप से भाग लिया।

ड्रिल के तहत हसदेव, हसदेव-बांगो, जमनीपाली तथा कोरबा पूर्व के चयनित विद्युत तंत्र को पृथक कर एक आइलैंडेड सब-सिस्टम तैयार किया गया। इसके बाद इस सब-सिस्टम पर नियंत्रित रूप से उत्पादन एवं विद्युत भार कम करते हुए इसे पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में लाया गया।

इसके पश्चात बांगो जल विद्युत गृह में उपलब्ध डीजल जनरेटर सेट की सहायता से इकाई क्रमांक-1 को प्रारंभ कर सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइज किया गया। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से हसदेव, जमनीपाली होते हुए कोरबा पूर्व तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति बहाल की गई।

मॉक ड्रिल के अगले चरण में 160 एमवीए ट्रांसफार्मर के माध्यम से 220 केवी प्रणाली को ऊर्जीकृत कर कोरबा पश्चिम तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति का विस्तार किया गया। निर्धारित क्रम के अनुसार जमनीपाली उपकेंद्र पर विद्युत भार जोड़ा गया तथा उसके अनुरूप बांगो इकाई क्रमांक-1 का उत्पादन बढ़ाया गया।

अंतिम चरण में आइलैंडेड सब-सिस्टम का मुख्य ग्रिड के साथ सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइजेशन किया गया और सभी विद्युत उपकरणों पर सामान्य विद्युत व्यवस्था पुनः स्थापित कर दी गई। सिंक्रोनाइजेशन की पूरी प्रक्रिया में लगभग 41 मिनट लगे, जबकि बांगो से कोरबा पावर प्लांट तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति लगभग 32 मिनट में सफलतापूर्वक पहुंचा दी गई।

बांगो जल विद्युत संयंत्र प्रदेश का एकमात्र ब्लैक स्टार्ट सक्षम जल विद्युत संयंत्र है। इसकी स्थापित क्षमता 3.40 मेगावाट है। बड़े ग्रिड व्यवधान अथवा पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में यही संयंत्र अन्य उत्पादन इकाइयों के पुनर्संचालन के लिए आवश्यक स्टार्ट-अप पावर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

इस अवसर पर जनरेशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री सी. एल. नेताम, स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर की मुख्य अभियंता श्रीमती शारदा सोनवानी, अधीक्षण अभियंता श्री संजय चौधरी तथा अभिषेक जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

2 7 JUL 2026

दैनिक
कही अनकही

ग्रिड ब्लैकआउट की स्थिति में कोरबा बिजली संयंत्र तक 32 मिनट में पहुंचेगा स्टार्ट-अप पावर



रायपुर।» कही अनकही

अंतर्राज्यीय ग्रिड ठप होने जैसी आपात स्थिति में बिजली व्यवस्था को शीघ्र बहाल करने की तैयारियों का परीक्षण करने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज़ ने सफलतापूर्वक ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस दौरान बांगो जल विद्युत गृह के टरबाइन से तत्काल बिजली उत्पादन कर स्टार्ट-अप पावर को कोयला आधारित ताप विद्युत गृहों तक 32 मिनट में पहुंचाने में सफलता मिली। वहीं, पूरी ग्रिड सिंक्रोनाइजेशन प्रक्रिया लगभग 41 मिनट में पूर्ण की गई।

बड़े विद्युत संकट की घड़ी में संयंत्रों के शीघ्र पुनर्संचालन के लिए ब्लैक स्टार्ट मॉक ड्रिल सफल

मॉक ड्रिल के दौरान ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री राजेश कुमार शुक्ला डंगनिया मुख्यालय स्थित स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर में उपस्थित रहे और पूरी प्रक्रिया की लगातार मॉनिटरिंग करते रहे। इस अभ्यास में ट्रांसमिशन, जनरेशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों के इंजीनियरों और तकनीकी कर्मियों ने समन्वित रूप से भाग लिया। ड्रिल के तहत हसदेव, हसदेव-बांगो, जमनीपाली तथा कोरबा पूर्व के चयनित विद्युत तंत्र को पृथक कर एक आइलैंडेड सब-सिस्टम तैयार किया गया। इसके बाद इस सब-सिस्टम पर नियंत्रित रूप से उत्पादन एवं विद्युत भार कम करते हुए इसे पूर्ण ब्लैकआउट की स्थिति में लाया गया।इसके पश्चात बांगो जल विद्युत गृह में उपलब्ध डीजल जनरेटर सेट की सहायता से इकाई क्रमांक-1 को प्रारंभ कर सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइज किया गया। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से हसदेव, जमनीपाली होते हुए कोरबा पूर्व तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति बहाल की गई।मॉक ड्रिल के अगले चरण में 160 एमवीए ट्रांसफार्मर के माध्यम से 220 केवी प्रणाली को ऊर्जीकृत कर कोरबा पश्चिम तक स्टार्ट-अप विद्युत आपूर्ति का विस्तार किया गया। निर्धारित क्रम के अनुसार जमनीपाली उपकेंद्र पर विद्युत भार जोड़ा गया तथा उसके अनुरूप बांगो इकाई क्रमांक-1 का उत्पादन बढ़ाया गया।अंतिम चरण में आइलैंडेड सब-सिस्टम का मुख्य ग्रिड के साथ सफलतापूर्वक सिंक्रोनाइजेशन किया गया।